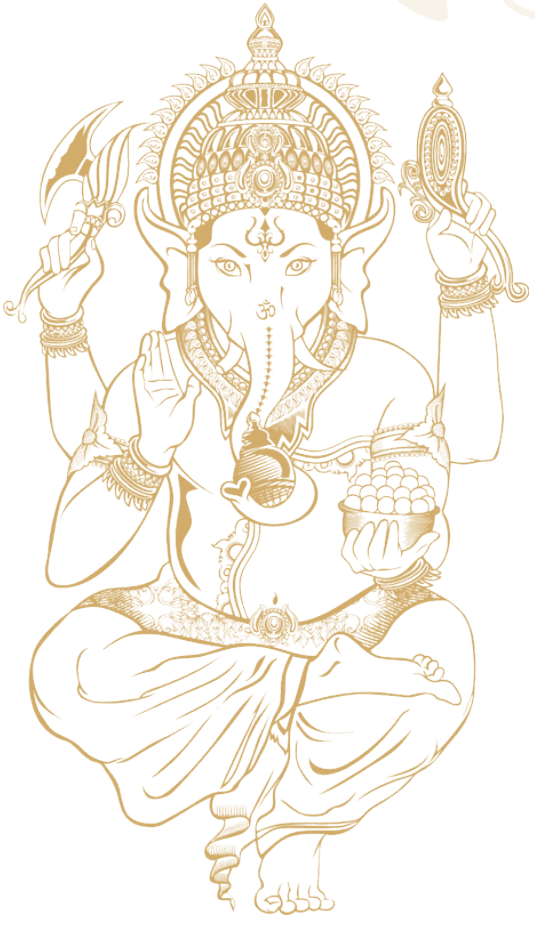

Prafull Dwivedi

Vedica Tiwari

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120837802

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
03/04/1994 :	जन्म तिथि	: 15/07/2000
रविवार :	दिन	: शनिवार
घंटे 17:28:00 :	जन्म समय	: 15:15:00 घंटे
घटी 28:51:34 :	जन्म समय(घटी)	: 24:33:57 घटी
India :	देश	: India
Rewa :	स्थान	: Allahabad
24:32:00 उत्तर :	अक्षांश	: 25:27:00 उत्तर
81:18:00 पूर्व :	रेखांश	: 81:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:04:48 :	स्थानिक संस्कार	: -00:02:40 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:55:22 :	सूर्योदय	: 05:21:27
18:21:27 :	सूर्यास्त	: 18:55:30
23:46:51 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:51:38

विंशोत्तरी शुक्र 3वर्ष 5मा 17दि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शुक्र 15वर्ष 0मा 29दि	
राहु		08:23:35	कन्या	लग्न	वृश्चि	09:23:22	चन्द्र	
20/09/2020		19:43:06	मीन	सूर्य	मिथु	29:20:38	14/08/2021	
20/09/2038		24:21:23	धनु	चंद्र	धनु	16:36:45	14/08/2031	
राहु	03/06/2023	27:26:37	कुंभ	मंगल	मिथु	25:17:36		
गुरु	26/10/2025	26:26:14	कुंभ	बुध व	मिथु	16:43:42	चन्द्र	14/06/2022
शनि	01/09/2028	19:08:52	तुला व	गुरु	वृष	09:09:14	मंगल	13/01/2023
बुध	22/03/2031	08:18:24	मेष	शुक्र	कर्क	08:41:11	राहु	14/07/2024
केतु	08/04/2032	13:48:46	कुंभ	शनि	वृष	04:12:32	गुरु	13/11/2025
शुक्र	09/04/2035	00:52:50	वृश्चि व	राहु व	कर्क	00:45:26	शनि	15/06/2027
सूर्य	03/03/2036	00:52:50	वृष व	केतु व	मक	00:45:26	बुध	13/11/2028
चन्द्र	02/09/2037	02:14:57	मक	हर्ष व	मक	26:00:14	केतु	14/06/2029
मंगल	20/09/2038	29:26:12	धनु	नेप व	मक	11:39:19	शुक्र	13/02/2031
		03:59:20	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	16:38:05	सूर्य	14/08/2031

लग्न-चलित

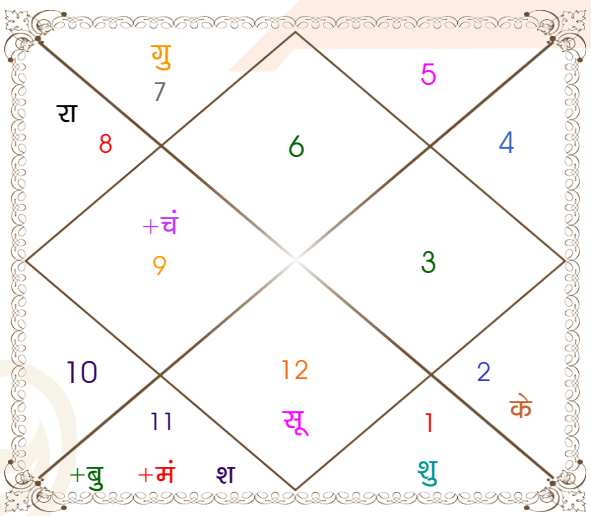

लग्न-चलित

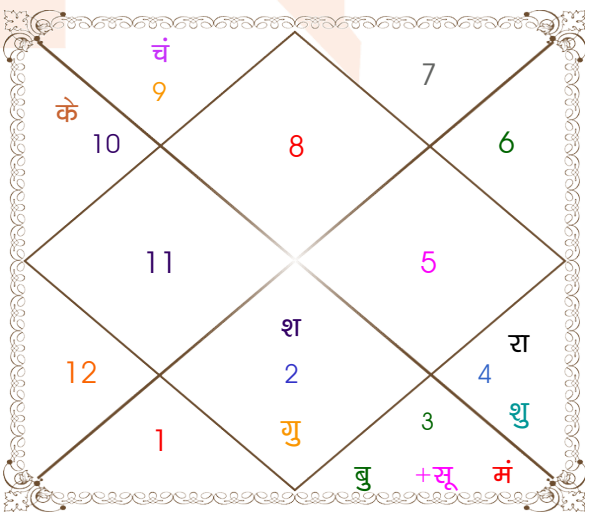

वैदिक ज्योतिष केंद्र
लक्ष्मण झूला रोड ऋषिकेश उत्तराखंड
7380749082 / 9105387512
kprafull922@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	वानर	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

च्तंनिसस कूपअमकप का वर्ग श्वान है तथा टमकपबं ज्पूंतप का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार च्तंनिसस कूपअमकप और टमकपबं ज्पूंतप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

च्तंनिसस कूपअमकप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

टमकपबं ज्पूंतप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु च्तंनिसस कूपअमकप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

च्तंनिसस कूपअमकप तथा टमकपबं ज्पूंतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।